200 उच्च-प्राथमिकता युग्म शब्द

दोनों शब्दों के अर्थ + दोनों के वाक्य-प्रयोग

#	युग्म शब्द	अर्थ	दोनों शब्दों का वाक्य-प्रयोग
1	अंश–अंस	भाग / कंधा	1. संपत्ति में मेरा अंश है। 2. उसके अंस पर भारी बोझ रखा गया।
2	अन्न–अन्य	अनाज / दूसरा	1. किसान ने अन्न पैदा किया। 2. इस विषय पर कोई अन्य मत भी हो सकता है।
3	आदि–आदी	प्रारंभ / अभ्यस्त	1. ग्रंथ के आदि में इसकी चर्चा है। 2. वह देर से उठने का आदी है।
4	आचार–आचार्य	व्यवहार / गुरु	1. अच्छे आचार से सम्मान मिलता है। 2. वे संस्कृत के प्रसिद्ध आचार्य हैं।
5	आभरण–आवरण	आभूषण / ढकने वाली वस्तु	1. उसने स्वर्ण आभरण पहना। 2. पृथ्वी का वायुमंडल उसका आवरण है।
6	आश्रित–आश्रय	निर्भर / सहारा	1. वह अपने माता-पिता पर आश्रित है। 2. वृक्ष पक्षियों का आश्रय है।
7	अपेक्षा–उपेक्षा	उम्मीद/तुलना / अनदेखी	1. मुझे आपसे बहुत अपेक्षा है। 2. गरीबों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए।
8	अवलंब–आलंबन	सहारा / आधार/विषय	1. लाठी वृद्ध का अवलंब है। 2. कविता का आलंबन प्रकृति है।
9	अविराम–अभिराम	लगातार / सुंदर	1. वर्षा अविराम होती रही। 2. पहाड़ों का दृश्य अत्यंत अभिराम है।
10	अभय–अजय	निर्भयता / जिसे जीता न जा सके	1. राजा ने प्रजा को अभय दिया। 2. वह युद्ध में लगभग अजय रहा।
11	अर्पण–अपर्ण	समर्पण / पत्तों से रहित	1. भक्त ने पुष्प अर्पण किए। 2. पतझड़ में वृक्ष अपर्ण हो गया।
12	अनल–अनिल	अग्नि / वायु	1. यज्ञ का अनल प्रज्वलित था। 2. अनिल मंद-मंद बह रहा था।
13	अभिलाषा–अभिलाष	इच्छा / इच्छा	1. उसकी सफलता की अभिलाषा पूरी हुई। 2. मन में विजय का अभिलाष था।
14	आभास–आवास	संकेत/अनुभूति / रहने का स्थान	1. मुझे खतरे का आभास हुआ। 2. सरकार ने उसे सरकारी आवास दिया।
15	आहार–अहार	भोजन / हरण/ले जाना	1. संतुलित आहार स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। 2. संस्कृत में अहार का अर्थ हरण भी मिलता है।
16	इष्ट–इष्टि	प्रिय देवता/प्रिय / यज्ञ	1. शिव मेरे इष्ट देव हैं। 2. वैदिक परंपरा में इष्टि एक यज्ञ है।
17	ईर्ष्या–इर्ष्या	जलन / अशुद्ध रूप	1. ईर्ष्या मनुष्य को भीतर से कमजोर करती है। 2. इर्ष्या वर्तनी का अशुद्ध रूप है।
18	उधार–उद्धार	ऋण / मुक्ति	1. मैंने मित्र से पैसे उधार लिए। 2. शिक्षा से गरीबों का उद्धार हो सकता है।
19	उदय–उद्गम	निकलना / स्रोत	1. सूर्य का उदय पूर्व दिशा में होता है। 2. गंगा का उद्गम हिमालय से होता है।

#	युग्म शब्द	अर्थ	दोनों शब्दों का वाक्य-प्रयोग
20	उन्नति–अवनति	प्रगति / पतन	1. शिक्षा से समाज की उन्नति होती है। 2. नैतिक अवनति समाज के लिए चिंताजनक है।
21	उपकार–अपकार	भलाई / बुराई	1. उसने मेरे परिवार पर बड़ा उपकार किया। 2. किसी का अपकार करना उचित नहीं है।
22	उपयुक्त–उपादेय	उचित / उपयोगी	1. यह समय चर्चा के लिए उपयुक्त है। 2. इस पुस्तक की सामग्री अत्यंत उपादेय है।
23	औषध–औषधि	दवा / दवा	1. यह प्राचीन औषध बहुत प्रभावी मानी जाती है। 2. डॉक्टर ने नई औषधि लिखी।
24	औपचारिक–अनौपचारिक	रस्मी / बिना औपचारिकता	1. बैठक केवल औपचारिक थी। 2. दोनों के बीच अनौपचारिक बातचीत हुई।
25	एकांत–एकत्व	अकेलापन / एक होने की अवस्था	1. वह कुछ समय एकांत में रहना चाहता था। 2. वेदांत में आत्मा और ब्रह्म के एकत्व की चर्चा है।
26	अंश–अंशु	भाग / किरण	1. भूमि में उसका भी अंश है। 2. सूर्य का एक अंशु खिड़की से भीतर आया।
27	इतर–इतर	अन्य / भिन्न	1. इतर लोगों से भी राय लें। 2. यह विचार सामान्य मत से इतर है।
28	ऋतु–रितु	मौसम / नाम	1. वसंत एक सुंदर ऋतु है। 2. रितु मेरी सहपाठी है।
29	ओज–ओजस्	तेज/ऊर्जा / शक्ति/तेज	1. उसके भाषण में ओज था। 2. संस्कृत साहित्य में ओजस् का अर्थ शक्ति या तेज है।
30	कृति–कृती	रचना / कुशल व्यक्ति	1. यह उसकी श्रेष्ठ कृति है। 2. वह अपने क्षेत्र का कृती कलाकार है।
31	कीर्ति–कृति	यश / रचना	1. उसकी कीर्ति दूर-दूर तक फैली। 2. यह लेखक की प्रसिद्ध कृति है।
32	कंगाल–कंकाल	निर्धन / हड्डियों का ढाँचा	1. लगातार घाटे ने व्यापारी को कंगाल कर दिया। 2. दुर्घटना के बाद शरीर का कंकाल दिखाई देने लगा।
33	कर–कर	हाथ / टैक्स	1. उसने दोनों कर जोड़कर प्रणाम किया। 2. सरकार ने वस्तुओं पर नया कर लगाया।
34	काल–कल	समय/मृत्यु / बीता या आने वाला दिन	1. काल किसी की प्रतीक्षा नहीं करता। 2. मैं कल दिल्ली जाऊँगा।
35	कुल–कूल	वंश / किनारा	1. वह प्रतिष्ठित कुल में जन्मा है। 2. नदी के कूल पर पेड़ लगे हैं।
36	कुशल–कुशाल	दक्ष / सुखी/ठीक	1. वह गणित में कुशल है। 2. घर में सभी कुशाल हैं।
37	कृपण–कृपा	कंजूस / दया	1. वह इतना कृपण है कि दान नहीं देता। 2. ईश्वर की कृपा से सब ठीक हुआ।
38	ग्रह–गृह	आकाशीय पिंड / घर	1. पृथ्वी एक ग्रह है। 2. मेरा गृह जयपुर में है।
39	गमन–गमन	जाना / प्रस्थान	1. उसका गमन उत्तर दिशा की ओर हुआ। 2. राजा के गमन के बाद सभा समाप्त हुई।
40	गरल–गरल	विष / विष	1. सर्प का गरल प्राणघातक है। 2. कवि ने क्रोध को गरल के समान बताया।
41	घन–घन	बादल / बारंबार	1. आकाश में काले घन छा गए। 2. घंटी घन-घन बजती रही।

#	युग्म शब्द	अर्थ	दोनों शब्दों का वाक्य-प्रयोग
42	चिता–चिंता	शवदाह स्थल / फिक्र	1. शव को चिता पर रखा गया। 2. परीक्षा की चिंता मत करो।
43	चिर–चीर	सदा / वस्त्र	1. यह स्मारक चिर स्मरणीय रहेगा। 2. उसने चीर फाड़ दिया।
44	चित्र–चरित्र	तस्वीर / आचरण	1. दीवार पर सुंदर चित्र है। 2. उसका चरित्र अनुकरणीय है।
45	चंद–चन्द्र	कुछ / चाँद	1. चंद लोग ही बैठक में आए। 2. चन्द्र आकाश में चमक रहा है।
46	चूर्ण–चूर	पिसा पदार्थ / टुकड़े-टुकड़े	1. दवा का चूर्ण पानी में मिलाएँ। 2. गिरने से काँच चूर हो गया।
47	छवि–छाया	रूप/प्रतिबिंब / परछाईं	1. उसकी छवि मनमोहक है। 2. पेड़ की छाया में बैठो।
48	छत्र–क्षत्र	छाता/संरक्षण / योद्धा वर्ग	1. राजा के ऊपर छत्र धारण किया गया। 2. प्राचीन समाज में क्षत्र वर्ग का युद्ध से संबंध था।
49	जल–जाल	पानी / फंदा/नेटवर्क	1. जल जीवन का आधार है। 2. मछली जाल में फँस गई।
50	जगत–जगत्	संसार / संसार	1. पूरा जगत परिवर्तनशील है। 2. समस्त जगत् ईश्वर की रचना माना जाता है।
51	जन–जन्	लोग / उत्पन्न होना	1. देश के जन लोकतंत्र की शक्ति हैं। 2. संस्कृत धातु जन् का अर्थ उत्पन्न होना है।
52	जीवन–जीवन्त	प्राण / सजीव	1. जीवन अमूल्य है। 2. यह परंपरा आज भी जीवन्त है।
53	ज्ञान–ध्यान	जानकारी / एकाग्रता	1. ज्ञान मनुष्य को विवेक देता है। 2. पढ़ते समय ध्यान केंद्रित रखो।
54	ध्यान–धान	एकाग्रता / फसल	1. योग में ध्यान का विशेष महत्व है। 2. खेत में धान की फसल लहलहा रही है।
55	तीर–तीर	बाण / किनारा	1. अर्जुन ने तीर चलाया। 2. नदी के तीर पर गाँव बसा है।
56	तप–ताप	साधना / गर्मी	1. ऋषि ने वर्षों तप किया। 2. गर्मी में शरीर का ताप बढ़ गया।
57	तरणि–तरणी	सूर्य / नाव	1. आकाश में तरणि चमक रहा था। 2. तरणी नदी पार कर गई।
58	दंड–दण्ड	सजा / छड़ी	1. अपराधी को कठोर दंड मिला। 2. साधु के हाथ में दण्ड था।
59	दान–धान	देना / फसल	1. उसने गरीबों को दान दिया। 2. किसान ने धान की कटाई की।
60	दाम–दामन	मूल्य / आँचल/किनारा	1. इस वस्तु के दाम अधिक हैं। 2. बच्चे ने माँ का दामन पकड़ लिया।
61	दिन–दीन	दिवस / गरीब	1. आज का दिन बहुत व्यस्त है। 2. दीन लोगों की सहायता करनी चाहिए।
62	दीप–द्वीप	दीपक/प्रकाश / जल से घिरी भूमि	1. घर में दीप जलाया गया। 2. श्रीलंका एक सुंदर द्वीप है।
63	दिशा–दशा	ओर / स्थिति	1. सूर्य पूर्व दिशा में उगता है। 2. देश की आर्थिक दशा सुधर रही है।

#	युग्म शब्द	अर्थ	दोनों शब्दों का वाक्य-प्रयोग
64	दर्प–दर्पण	अहंकार / आईना	1. उसे अपनी शक्ति का दर्प है। 2. उसने दर्पण में अपना चेहरा देखा।
65	धरा–धारा	पृथ्वी / प्रवाह	1. धरा पर जीवन संभव है। 2. नदी की धारा तेज है।
66	ध्वनि–ध्वंस	आवाज़ / विनाश	1. घंटी की ध्वनि दूर तक गई। 2. युद्ध ने नगर का ध्वंस कर दिया।
67	नारी–नाड़ी	स्त्री / नस/स्पंदन	1. नारी समाज की महत्वपूर्ण शक्ति है। 2. डॉक्टर ने उसकी नाड़ी जाँची।
68	नीर–नीरव	जल / शांत	1. झील का नीर स्वच्छ है। 2. रात में वातावरण नीरव था।
69	नीति–नियत	सिद्धांत / इरादा	1. सरकार ने नई नीति बनाई। 2. उसकी नियत साफ है।
70	नींद–निंदा	निद्रा / बुराई	1. मुझे अच्छी नींद आई। 2. किसी की निंदा करना उचित नहीं है।
71	निशा–निशान	रात / चिह्न	1. निशा में चाँद चमकता है। 2. चोट का निशान अभी भी है।
72	नीरज–नीरद	कमल / बादल	1. नीरज का अर्थ कमल है। 2. आकाश में नीरद छाए हैं।
73	नाद–नादान	ध्वनि / अनुभवहीन	1. शंख का नाद गूँज उठा। 2. वह अभी नादान है।
74	नयन–नमन	आँख / प्रणाम	1. उसके नयन सुंदर हैं। 2. शहीदों को नमन करते हैं।
75	पथ–पथ्य	मार्ग / हितकर आहार	1. सत्य का पथ अपनाओ। 2. रोगी को पथ्य भोजन दिया गया।
76	पाणि–पानी	हाथ / जल	1. राजा ने पाणि में पुष्प लिया। 2. पानी पीना आवश्यक है।
77	पाश–पास	बंधन / निकट	1. मोह के पाश में मत फँसो। 2. मेरे पास एक पुस्तक है।
78	परिमाण–प्रमाण	मात्रा / सबूत	1. जल का परिमाण कम है। 2. उसने अपने दावे का प्रमाण दिया।
79	परिणय–परिणाम	विवाह / नतीजा	1. उनका परिणय हुआ। 2. मेहनत का अच्छा परिणाम मिला।
80	प्रसाद–प्रासाद	देवता को अर्पित भोजन / महल	1. मंदिर का प्रसाद मिला। 2. राजा का प्रासाद बहुत भव्य था।
81	प्रणाम–प्रणय	नमस्कार / प्रेम	1. मैंने गुरु को प्रणाम किया। 2. काव्य में राधा-कृष्ण का प्रणय वर्णित है।
82	प्राण–प्रण	जीवन / संकल्प	1. सैनिकों ने देश के लिए प्राण दिए। 2. उसने सफलता का प्रण लिया।
83	प्रत्यक्ष–परोक्ष	सामने / अप्रत्यक्ष	1. मैंने घटना प्रत्यक्ष देखी। 2. उसे इस योजना का परोक्ष लाभ मिला।
84	प्रजा–प्रज्ञा	जनता / बुद्धि	1. राजा ने प्रजा की रक्षा की। 2. उसकी प्रज्ञा अद्भुत है।
85	फल–फाल	परिणाम/फल / हथियार का धारदार भाग	1. पेड़ पर मीठे फल लगे हैं। 2. तलवार की फाल बहुत तेज है।

#	युग्म शब्द	अर्थ	दोनों शब्दों का वाक्य-प्रयोग
86	बाण–बान	तीर / ढंग/आदत	1. अर्जुन ने बाण चलाया। 2. उसकी बोलने की बान निराली है।
87	बहु–बहू	अनेक / पुत्रवधू	1. बहु का अर्थ अनेक भी होता है। 2. मेरी बहू डॉक्टर है।
88	बास–वास	गंध / निवास	1. फूलों की बास मनमोहक है। 2. संत का वास गाँव में था।
89	बंधु–बंध	भाई/मित्र / बंधन	1. वह मेरा प्रिय बंधु है। 2. प्रेम का बंध मजबूत होता है।
90	बुद्ध–बुद्धि	बुद्ध/जाग्रत / विवेक	1. बुद्ध ने मध्यम मार्ग बताया। 2. उसकी बुद्धि तीक्ष्ण है।
91	भाग–भाज्य	हिस्सा / जिसे विभाजित किया जाए	1. मुझे संपत्ति का भाग मिला। 2. 20 ÷ 4 में 20 भाज्य है।
92	भित्ति–भीति	दीवार / भय	1. भित्ति पर चित्र बना है। 2. अज्ञात भविष्य की भीति उसे सताती है।
93	भान–भानु	ज्ञान/पता / सूर्य	1. मुझे इसका भान नहीं था। 2. भानु की किरणें फैलने लगीं।
94	भूषण–भूषा	आभूषण / सजावट/पोशाक	1. यह स्वर्ण भूषण सुंदर है। 2. नृत्य के लिए विशेष भूषा तैयार की गई।
95	मांस–मास	शरीर का ऊतक / महीना	1. उसने मांस नहीं खाया। 2. एक मास बाद परीक्षा होगी।
96	मन–मणि	चित्त / रत्न	1. मेरा मन प्रसन्न है। 2. राजा के पास बहुमूल्य मणि थी।
97	मति–मात	बुद्धि / पराजय	1. उसकी मति भ्रमित हो गई। 2. अंततः शतरंज में उसे मात मिली।
98	मान–मौन	सम्मान / चुप्पी	1. उसने मेरा मान रखा। 2. वह प्रश्न सुनकर मौन रहा।
99	मेला–मैला	उत्सव / गंदा	1. गाँव में बड़ा मेला लगा। 2. बारिश में कपड़े मैले हो गए।
100	रथ–रत	वाहन / लगा हुआ	1. राजा का रथ आगे बढ़ा। 2. वह अध्ययन में रत है।
101	रति–रथी	प्रेम/आसक्ति / योद्धा	1. उसे संगीत में रति है। 2. कर्ण महान रथी था।
102	राग–रागी	संगीत स्वर / आसक्त/रुचि रखने वाला	1. गायक ने मधुर राग छेड़ा। 2. वह संगीत का सच्चा रागी है।
103	रस–रास	स्वाद / कृष्ण की लीला	1. आम का रस मीठा है। 2. वृंदावन में कृष्ण के रास की कथा प्रसिद्ध है।
104	राज–राज्य	रहस्य/शासन / शासन क्षेत्र	1. उसने अपना राज खोल दिया। 2. भारत एक लोकतांत्रिक राज्य है।
105	रूप–रूपा	आकार/सुंदरता / चाँदी	1. उसका रूप मनमोहक है। 2. रूपा का अर्थ चाँदी भी माना जाता है।
106	लक्षण–लक्ष्य	संकेत/गुण / उद्देश्य	1. रोग के लक्षण दिखाई दिए। 2. सफलता मेरा लक्ष्य है।
107	लक्ष–लक्ष्य	लाख / उद्देश्य	1. परियोजना पर एक लक्ष रुपये खर्च हुए। 2. जीवन का लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए।

#	युग्म शब्द	अर्थ	दोनों शब्दों का वाक्य-प्रयोग
108	लेख–लेख्य	लिखित रचना / लिखने योग्य	1. मैंने एक लेख लिखा। 2. यह विषय परीक्षा में लेख्य है।
109	वरण–वर्ण	चुनना / रंग/अक्षर	1. उसने सत्य का वरण किया। 2. लाल वर्ण आकर्षक है।
110	वन–वर्ण	जंगल / रंग/अक्षर	1. हम वन भ्रमण पर गए। 2. नीला वर्ण उसे पसंद है।
111	वास–वासना	निवास / इच्छा/कामना	1. ऋषि का वास जंगल में था। 2. बुरी वासना मन को अशांत करती है।
112	वाणी–वानी	बोली / नाम	1. उसकी वाणी मधुर है। 2. वानी एक प्रचलित नाम है।
113	वचन–वाचन	कथन/प्रतिज्ञा / पढ़ना	1. उसने अपना वचन निभाया। 2. रामायण का वाचन हुआ।
114	व्यसन–व्यवसाय	बुरी आदत / रोजगार	1. मद्यपान एक व्यसन है। 2. उसका व्यवसाय सफल है।
115	शर–सर	तीर / तालाब	1. उसने शर चलाया। 2. सर में कमल खिले हैं।
116	शम–सम	शांति / बराबर	1. मन का शम आवश्यक है। 2. दोनों संख्याओं का मान सम है।
117	शोक–शौक	दुःख / रुचि	1. परिवार में शोक छा गया। 2. उसे किताबें पढ़ने का शौक है।
118	शस्त्र–शास्त्र	हथियार / ग्रंथ/ज्ञान	1. सैनिक ने शस्त्र उठाया। 2. वेद एक महान शास्त्र है।
119	शरण–चरण	आश्रय / पैर	1. उसने गुरु की शरण ली। 2. शिष्य ने गुरु के चरण छुए।
120	शील–सील	चरित्र / मुहर	1. उसका शील प्रशंसनीय है। 2. लिफाफे पर डाक की सील लगी है।
121	शुचि–सूची	पवित्र / सूची	1. उसका मन शुचि है। 2. नामों की सूची तैयार करो।
122	श्रुति–स्मृति	सुना हुआ/वेद / स्मरण/ग्रंथ	1. श्रुति परंपरा प्राचीन है। 2. स्मृति साहित्य भारतीय परंपरा का महत्वपूर्ण भाग है।
123	सखा–सखी	पुरुष मित्र / महिला मित्र	1. कृष्ण अर्जुन के सखा थे। 2. राधा कृष्ण की सखी थीं।
124	साधन–साध्य	माध्यम / लक्ष्य	1. शिक्षा सफलता का साधन है। 2. सत्य की स्थापना हमारा साध्य है।
125	सदन–सदस्य	भवन/सभा / सदस्य	1. संसद के सदन में चर्चा हुई। 2. वह लोकसभा का सदस्य है।
126	सर्ग–स्वर्ग	अध्याय / देवताओं का लोक	1. महाकाव्य के प्रत्येक सर्ग का अपना महत्व है। 2. धार्मिक ग्रंथों में स्वर्ग का वर्णन मिलता है।
127	सुजन–सृजन	अच्छा व्यक्ति / निर्माण	1. सुजन समाज की संपत्ति हैं। 2. साहित्य का सृजन धैर्य माँगता है।
128	स्वजन–सुजन	अपने लोग / अच्छे लोग	1. दुःख में स्वजन साथ देते हैं। 2. सुजन दूसरों की सहायता करते हैं।
129	सुत–सूत	पुत्र / सारथी/जाति	1. राजा का सुत वीर था। 2. महाभारत में कर्ण को सूत पुत्र कहा गया।

#	युग्म शब्द	अर्थ	दोनों शब्दों का वाक्य-प्रयोग
130	सत्–सद्	सत्य/अच्छा / अच्छा/सत् का संधि रूप	1. सत् कर्म करो। 2. सद्गुणों का विकास करो।
131	संधि–संध्या	मिलन / शाम	1. दो शब्दों की संधि करो। 2. संध्या होते ही पक्षी लौट आए।
132	सत्य–सत्त	सच / अस्तित्व/शक्ति	1. सत्य की सदैव विजय होती है। 2. दर्शन में सत्त का संबंध अस्तित्व से है।
133	शेष–विशेष	बचा हुआ / खास	1. शेष काम कल करेंगे। 2. इस विषय का विशेष महत्व है।
134	हित–हीन	भलाई / रहित	1. अपने हित की रक्षा करो। 2. धन से हीन व्यक्ति को सहायता चाहिए।
135	हित–हितैषी	भलाई / भलाई चाहने वाला	1. देश का हित सर्वोपरि है। 2. वह मेरा सच्चा हितैषी है।
136	हार–हाड़	माला/पराजय / हड्डी	1. उसने फूलों का हार पहना। 2. मानव शरीर में अनेक हाड़ होते हैं।
137	हंस–हँस	पक्षी / मुस्कुराकर	1. हंस जल में तैर रहा है। 2. बच्चा हँस रहा है।
138	क्षमा–क्षमा	माफी / माफी	1. कृपया मुझे क्षमा करें। 2. उसने अपनी भूल के लिए क्षमा माँगी।
139	क्षति–ख्याति	हानि / प्रसिद्धि	1. बाढ़ से भारी क्षति हुई। 2. लेखक की ख्याति देश-विदेश में है।
140	कांति–क्रांति	चमक / बड़ा परिवर्तन	1. उसके चेहरे पर कांति थी। 2. औद्योगिक क्रांति ने समाज बदल दिया।
141	कोटि–कोट	करोड़/श्रेणी / पहनावा	1. इस योजना से एक कोटि लोगों को लाभ होगा। 2. सर्दी में उसने ऊनी कोट पहना।
142	नूतन–नवीन	नया / नया	1. यह एक नूतन विचार है। 2. नवीन तकनीक से काम आसान हुआ।
143	नवीन–प्राचीन	नया / पुराना	1. नवीन विचारों को अवसर देना चाहिए। 2. यह एक प्राचीन मंदिर है।
144	उग्र–उग्रता	तीव्र / तीव्रता	1. उसका स्वभाव बहुत उग्र है। 2. उसकी उग्रता से विवाद बढ़ गया।
145	उच्च–उत्कृष्ट	ऊँचा / श्रेष्ठ	1. वह उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहा है। 2. यह उत्कृष्ट साहित्यिक रचना है।
146	उदार–उपकार	दानी/विशाल हृदय / भलाई	1. वह बहुत उदार व्यक्ति है। 2. उसने गरीबों पर बड़ा उपकार किया।
147	ऐश्वर्य–आरोग्य	संपन्नता / स्वास्थ्य	1. राजा का ऐश्वर्य प्रसिद्ध था। 2. अच्छा आरोग्य सबसे बड़ा धन है।
148	अनाथ–सनाथ	जिसका कोई न हो / जिसके साथ कोई हो	1. वह बचपन में अनाथ हो गया। 2. आश्रय मिलने पर वह सनाथ हो गया।
149	अचल–अविचल	स्थिर / जो विचलित न हो	1. पर्वत अचल है। 2. संकट में उसका विश्वास अविचल रहा।
150	आदर–अनादर	सम्मान / अपमान	1. बड़ों का आदर करो। 2. किसी का अनादर नहीं करना चाहिए।
151	उन्नत–उन्मत्त	विकसित/ऊँचा / पागल/अति उत्साहित	1. देश की तकनीक उन्नत हुई है। 2. सफलता से वह उन्मत्त हो गया।

#	युग्म शब्द	अर्थ	दोनों शब्दों का वाक्य-प्रयोग
152	उत्कर्ष–अपकर्ष	उन्नति / पतन	1. शिक्षा समाज के उत्कर्ष का साधन है। 2. मूल्यों का अपकर्ष चिंता का विषय है।
153	उत्कंठा–उत्कट	तीव्र इच्छा/बेचैनी / बहुत तीव्र	1. परिणाम जानने की उत्कंठा है। 2. उसमें सफलता की उत्कट इच्छा है।
154	आस्था–अवस्था	विश्वास / स्थिति	1. ईश्वर में उसकी आस्था है। 2. उसकी आर्थिक अवस्था सुधरी है।
155	इच्छा–अनिच्छा	चाह / चाह का अभाव	1. मेरी विदेश जाने की इच्छा है। 2. उसने अनिच्छा से काम किया।
156	उक्ति–युक्ति	कथन / उपाय/तर्क	1. उसकी एक उक्ति बहुत प्रसिद्ध है। 2. समस्या हल करने की सही युक्ति खोजो।
157	कर्तव्य–अधिकार	दायित्व / हक	1. देश की सेवा हमारा कर्तव्य है। 2. मतदान करना नागरिक का अधिकार है।
158	कारण–कार्य	वजह / काम	1. दुर्घटना का कारण क्या था? 2. यह एक महत्वपूर्ण कार्य है।
159	गुण–गुणन	विशेषता / गुणा करने की क्रिया	1. उसके अनेक गुण हैं। 2. गुणन गणित की मूल क्रिया है।
160	ग्रहण–त्याग	स्वीकार / छोड़ना	1. अच्छे विचारों का ग्रहण करो। 2. बुरी आदतों का त्याग करो।
161	चंचल–चपल	अस्थिर / फुर्तीला	1. बच्चा बहुत चंचल है। 2. हिरण बहुत चपल होता है।
162	जय–विजय	जीत / जीत	1. सत्य की जय हुई। 2. टीम ने शानदार विजय प्राप्त की।
163	दया–दयनीय	करुणा / जिस पर दया आए	1. गरीबों पर दया करो। 2. उसकी आर्थिक स्थिति दयनीय है।
164	नाश–नशा	विनाश / मादक प्रभाव	1. युद्ध से देश का नाश होता है। 2. शराब का नशा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।
165	निवारण–निमंत्रण	दूर करना / बुलावा	1. समस्या के निवारण के उपाय खोजें। 2. विवाह का निमंत्रण मिला।
166	परिचय–परिचर	पहचान / सेवक	1. उससे मेरा पुराना परिचय है। 2. राजा का परिचर द्वार पर खड़ा था।
167	परीक्षा–परीक्षण	इम्तिहान/जाँच / जाँच	1. कल मेरी परीक्षा है। 2. मशीन का परीक्षण किया गया।
168	परामर्श–परिसंवाद	सलाह / विचार-विमर्श	1. डॉक्टर से परामर्श लें। 2. विषय पर राष्ट्रीय परिसंवाद आयोजित हुआ।
169	पवन–पावन	हवा / पवित्र	1. पवन तेज चल रही है। 2. यह पावन भूमि है।
170	पूर्ण–परिपूर्ण	पूरा / पूरी तरह पूर्ण	1. कार्य पूर्ण हो गया। 2. उसकी जानकारी विषय में परिपूर्ण है।
171	प्रकाश–प्रकाशन	रोशनी / प्रकाशित करने की क्रिया	1. सूर्य प्रकाश देता है। 2. पुस्तक का प्रकाशन अगले महीने होगा।
172	प्रकट–प्रच्छन्न	दिखाई देने वाला / छिपा हुआ	1. सत्य अंततः प्रकट हो गया। 2. उसका वास्तविक उद्देश्य प्रच्छन्न था।
173	बोध–बोधि	ज्ञान / बुद्धत्व	1. उसे अपनी भूल का बोध हुआ। 2. बुद्ध को बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ।

#	युग्म शब्द	अर्थ	दोनों शब्दों का वाक्य-प्रयोग
174	भोग–योग	उपभोग / साधना	1. इंद्रिय भोग में अत्यधिक आसक्ति ठीक नहीं। 2. योग शरीर और मन को संतुलित करता है।
175	मरण–मारण	मृत्यु / मारने से संबंधित	1. मनुष्य का मरण निश्चित है। 2. कथा में मारण मंत्र का उल्लेख है।
176	मान–सम्मान	प्रतिष्ठा / आदर	1. उसने मेरा मान रखा। 2. मुझे समारोह में सम्मान मिला।
177	मित्र–मित्रता	दोस्त / दोस्ती	1. वह मेरा पुराना मित्र है। 2. हमारी मित्रता वर्षों पुरानी है।
178	रचना–रचनाकार	कृति / बनाने वाला	1. यह सुंदर रचना है। 2. कवि इस रचना का रचनाकार है।
179	लाभ–हानि	फायदा / नुकसान	1. व्यापार में अच्छा लाभ हुआ। 2. बाढ़ से भारी हानि हुई।
180	वचन–व्रत	कथन/प्रतिज्ञा / धार्मिक संकल्प	1. उसने अपना वचन निभाया। 2. उसने सोमवार का व्रत रखा।
181	विकास–विनाश	प्रगति / बर्बादी	1. देश का विकास आवश्यक है। 2. युद्ध विनाश लाता है।
182	विधि–निषेध	नियम/तरीका / रोक	1. कानून में इसकी विधि निर्धारित है। 2. धूम्रपान पर निषेध लगाया गया।
183	विश्वास–अविश्वास	भरोसा / भरोसे का अभाव	1. मुझे उस पर विश्वास है। 2. घटना से लोगों में अविश्वास पैदा हुआ।
184	शांति–क्रांति	स्थिरता / बड़ा परिवर्तन	1. देश में शांति आवश्यक है। 2. औद्योगिक क्रांति ने दुनिया बदल दी।
185	स्वाधीन–पराधीन	स्वतंत्र / दूसरे के अधीन	1. भारत स्वाधीन राष्ट्र है। 2. कोई भी राष्ट्र पराधीन रहना नहीं चाहता।
186	अभिमान–स्वाभिमान	गर्व / आत्मसम्मान	1. उसे अपनी सफलता का अभिमान है। 2. हमें अपने स्वाभिमान की रक्षा करनी चाहिए।
187	अवसर–अवकाश	मौका / छुट्टी	1. मुझे अपनी बात रखने का अवसर मिला। 2. विद्यालय में आज अवकाश है।
188	आवश्यक–अनावश्यक	जरूरी / गैर-जरूरी	1. यह दस्तावेज़ आवश्यक है। 2. अनावश्यक खर्च से बचें।
189	उत्पत्ति–उत्पादन	जन्म/स्रोत / निर्माण	1. भाषा की उत्पत्ति प्राचीन है। 2. कृषि उत्पादन बढ़ा है।
190	उपचार–उपचार्य	इलाज / उपचार योग्य	1. रोग का उपचार संभव है। 2. यह रोग पूरी तरह उपचार्य है।
191	कर्म–क्रम	कार्य / सिलसिला	1. अच्छे कर्म करो। 2. घटनाएँ क्रम से हुईं।
192	तत्काल–तत्पश्चात्	उसी समय / उसके बाद	1. वह तत्काल रवाना हुआ। 2. तत्पश्चात् बैठक शुरू हुई।
193	दृष्टि–दृश्य	देखने की शक्ति / दिखाई देने वाला	1. उसकी दृष्टि कमजोर है। 2. पहाड़ का दृश्य मनमोहक है।
194	निराशा–निराश्रित	आशा का अभाव / जिसका आश्रय न हो	1. असफलता से निराशा मत पालो। 2. निराश्रित लोगों के लिए आश्रय बनाया गया।
195	प्रशंसा–प्रशस्ति	सराहना / यशोगान/प्रमाणपत्र	1. उसके कार्य की प्रशंसा हुई। 2. उसे प्रशस्ति पत्र मिला।

#	युग्म शब्द	अर्थ	दोनों शब्दों का वाक्य-प्रयोग
196	**प्रेरणा–प्रयत्न**	उत्साह देने वाली शक्ति / प्रयास	1. मेरे गुरु मेरी प्रेरणा हैं। 2. सफलता के लिए निरंतर प्रयत्न जरूरी है।
197	**संकल्प–संकट**	दृढ़ निश्चय / कठिन परिस्थिति	1. उसने सफलता का संकल्प लिया। 2. देश गंभीर संकट से गुजर रहा है।
198	**संग्रह–संग्राम**	इकट्ठा करना / युद्ध	1. पुस्तकों का अच्छा संग्रह है। 2. स्वतंत्रता संग्राम में लाखों लोग जुड़े।
199	**समर्थ–सामर्थ्य**	योग्य/सक्षम / क्षमता	1. वह यह काम करने में समर्थ है। 2. उसकी सामर्थ्य बहुत अधिक है।
200	**आय–व्यय**	कमाई / खर्च	1. परिवार की मासिक आय बढ़ी है। 2. इस महीने का कुल व्यय बजट से अधिक हो गया।